हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार

परास्नातक हिंदी

द्वि-वर्षीय कार्यक्रम

(2025-26 से लागू करने हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम)

प्रथम सेमेस्टर - 20 क्रेडिट

द्वितीय सेमेस्टर - 20 क्रेडिट

तृतीय सेमेस्टर - 20 क्रेडिट

चतुर्थ सेमेस्टर - 20 क्रेडिट

कुल = 80 क्रेडिट

हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग

लखनऊ विश्वविद्यालय

परास्नातक हिन्दी द्वि-वर्षीय कार्यक्रम

(सत्र 2025-26 से लागू करने हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम)

YEAR	SEMESTER	COURSE TYPE	NAME OF THE PAPER	CREDITS	TOTAL
1	1	HINCC-101	प्राचीन तथा भक्तिकालीन हिन्दी काव्य	4	20
		HINCC-102	रीतिकालीन हिन्दी काव्य	4	
		HINCC-103	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल तक)	4	
		HINCC-104	हिन्दी साहित्य का इतिहास (भारतेन्दु युग से आज तक)	4	
		HINCC-105	मीराबाई	2	
		HINVCINTRA-101	मध्यकालीन हिन्दी का नीतिकाव्य	2	
	2	HINCC-201	भारतीय काव्यशास्त्र	4	20
		HINCC-202	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4	
		HINCC-203	नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ	4	
		HINCC-204	हिन्दी कथा साहित्य	4	
		HINCC-205	लखनऊ के हिन्दी साहित्यकार	2	
		HININTER-201	प्रयोजनमूलक हिन्दी	2	
2	3	HINCC-301	आधुनिक काव्य (छायावाद तक)	4	20
		HINCC-302	हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान	4	
		HINCCEL-301 (A/B/C)	A.हिन्दी पत्रकारिता B. स्त्री विमर्श और हिन्दी साहित्य C.अनुवाद विज्ञान	4	
		HINEL-302 (A/B/C/D)	विशिष्ट अध्ययन: A. लोक साहित्य B. हिन्दी रंगमंच और सिनेमा C. दलित विमर्श और हिन्दी साहित्य D. तुलनात्मक भारतीय साहित्य (हिन्दी-तमिल)	4	
		HINEL-303 (A/B/C)	A. हिंदी का ज्ञान-विज्ञान परक साहित्य B. प्रवासी हिन्दी साहित्य C. आदिवासी विमर्श और हिन्दी साहित्य	2	
		HINIER-301	इंटर्नशिप (तमिल भाषा प्रशिक्षण) / फील्डवर्क / टर्म-पेपर	2	
	4	HINCC-401	हिन्दी आलोचना साहित्य	4	20
		HINEL-401 (A/B/C/D/E/F/G/H/I)	विशिष्ट कवि एवं रचनाकार: A. कबीर B. मलिक मुहम्मद जायसी C. सूरदास D. तुलसीदास E. मैथिलीशरण गुप्त F. जयशंकर प्रसाद G. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला H. प्रेमचंद I. रामचंद्र शुक्ल	4	
		HINEL-402 (A/B/C)	A. छायावादोत्तर काव्य B. इक्कीसवीं सदी का हिन्दी साहित्य C. अनूदित भारतीय हिन्दी साहित्य	4	
		HINMT-401	लघुशोध प्रबन्ध (न्यूनतम 100 पृष्ठ) और उस पर आधारित मौखिक परीक्षा	8	
			GRAND TOTAL		80

Credit- 4

एम. ए. (हिन्दी) प्रथम सेमेस्टर

(HINCC-101) प्रथम प्रश्नपत्र: प्राचीन तथा भक्तिकालीन हिन्दी काव्य

निर्धारित पाठ्क्रम :

1. चन्दवरदाई पद्मावती समय
2. रैदास- रैदास बानी संपा० डॉ० शुकदेव सिंह (राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली) निर्धारित अंश संपूर्ण साखियाँ (कुल 14) तथा पद संख्या-17, 22, 25, 37, 48, 62, 65, 68, 98, 133 (कुल 10 पद)
3. कबीरदास कबीर ग्रन्थावली संपा० श्यामसुन्दरदास (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी) निर्धारित अंश - गुरुदेव को अंग, सुमिरन की अंग, बिरह को अंग, ग्यान विरह को अंग।
4. मलिक मुहम्मद जायसी जायसी ग्रन्थावली संपा० आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (नागरी प्रचारिणी सभा, काशी) निर्धारित अंश- सिंहलद्वीप खण्ड, मानरोदक खण्ड, नखशिख खण्ड, नागमती वियोग खण्ड।
5. सूरदास भ्रमरगीतसार संपा० आचार्य रामचन्द्र शुक्ल निर्धारित अंश (पद संख्या 51 से 150 तक)
6. तुलसीदास - रामचरितमानस (गीता प्रेस, गोरखपुर) निर्धारित अंश (उत्तरकाण्ड दोहा संख्या 20 से अंत तक)

इकाई-1 चन्दवरदाई, रैदास, कबीरदास के निर्धारित अंशों की व्याख्या।

इकाई-2 जायसी, सूरदास, तुलसीदास के निर्धारित अंशों की व्याख्या।

इकाई-3 चन्दवरदाई और रैदास पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई-4 कबीर और जायसी पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई-5 सूरदास और तुलसीदास पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ:

1. पृथ्वीराज रासो एक समीक्षा - डॉ० बिपिन बिहारी त्रिवेदी
2. पृथ्वीराज रासो के पात्रों की ऐतिहासिकता डॉ० कृष्ण चन्द्र अग्रवाल
3. पृथ्वीराज रासो में लोकतत्त्व प्रो० परशुराम पाल
4. कबीरदास-डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. कबीर मीमांसा - डॉ० रामचंद्र तिवारी
6. सूरदास डॉ० हरवंशलाल शर्मा
7. लोकवादी तुलसीदास - डॉ० विश्वनाथ त्रिपाठी
8. जायसी-डॉ० विजयदेवरानायण शाही
9. हिन्दी साहित्य भाग-1, डॉ० धीरेन्द्र वर्मा।
10. संत काव्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन - प्रो० वासुदेव सिंह

Credit- 4

(HINCC-102) द्वितीय प्रश्न पत्र : रीतिकालीन हिन्दी काव्य

निर्धारित पाठ्क्रम:

रीतिकाव्यधारा- संपादक : डॉ० रामचन्द्र तिवारी/डॉ० रामफेर त्रिपाठी

1. केशवदास - छन्द संख्या-1, 2, 3, 5, 17, 22, 29, 31, 47, 54, 56, 57, 59, 62, 65,
2. बिहारी- दोहा संख्या-1, 2, 4, 10, 12, 14, 15, 16, 17, 21, 22, 27, 28, 31, 32, 33, 38,39, 44, 46, 48, 50, 53, 59, 60, 63, 66, 69, 70,
3. भूषण छन्द संख्या-1, 3, 5, 7, 9, 11, 15, 18, 19, 20, 21, 23, 26, 31,
4. देव छन्द संख्या- 3, 5, 6, 8, 10, 14, 19, 26,, 33, 36, 39, 40, 44, 48
5. घनानन्द-छन्द संख्या - 1, 2, 3, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 15, 16, 19, 22
6. पद्माकर - छन्द संख्या-1, 2, 4, 5, 6, 8, 9, 10, 11, 14, 20, 21, 25, 26

इकाई-1 केशवदास, बिहारी, भूषण के निर्धारित अंशों से व्याख्याएँ।

इकाई-2 देव, घनान्द और पद्माकर के निर्धारित अंशों से व्याख्याएँ।

इकाई-3 केशवदास और बिहारी पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न ।

इकाई-4 भूषण और देव पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न ।

इकाई-5 घनानन्द और पद्माकर पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न ।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ:

1. हिन्दी साहित्य का अतीत डॉ० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
2. रीतिकालीन कवियों की देन डॉ० किशोरीलाल
3. रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ० नगेन्द्र
4. रीतिकाव्य (संग्रह) - डॉ० जगदीश गुप्त

Credit- 4

(HINCC-103) तृतीय प्रश्नपत्र :हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक)

निर्धारित पाठ्क्रम :

इकाई-1 इतिहास दर्शन, हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा, काल विभाजन और नामकरण।

इकाई-2 इकाई साहित्य का आदिकाल, नामकरण, प्रवृत्तियाँ, नाथ सिद्ध साहित्य, रासो काव्य परम्परा, आदिकाल के प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएँ।

इकाई-3 भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनका योगदान, प्रमुख सूफी कवि और काव्यग्रंथ, सूफी काव्य धारा की सामान्य विशेषताएँ।

इकाई-4 भक्तिकालीन सगुणधारा, रामभक्तिशाखा, कृष्णभक्तिशाखा, रामभक्तिशाखा और कृष्णभक्तिशाखा के प्रमुख कवि और काव्यग्रंथ।

इकाई-5 रीतिकाल की कालसीमा और नामकरण, लक्षण ग्रंथों की परम्परा, रीतिकालीन काव्यधाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त) तथा प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि रचनाकार और विशेषताएँ।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास -रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ० रामकुमार वर्मा
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास-संपादक, डॉ० नगेन्द्र
4. हिन्दी साहित्य संवेदना का विकास- डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी
5. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास- डॉ० बच्चन सिंह
6. हिन्दी साहित्येतिहास की भूमिका, भाग-1, 2 - प्रो0 सूर्यप्रसाद दीक्षित

Credit- 4

(HINCC-104) चतुर्थ प्रश्न पत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास (भारतेन्दु युग से आज तक)

निर्धारित पाठ्क्रम:

इकाई-1 आधुनिकता, आधुनिकीकरण, आधुनिकतावाद, आधुनिकता की प्रवृत्तियाँ।

इकाई-2 आधुनिककाल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि भारतेन्द् युग :विशेषताएँ, प्रमुख रचनाकार और रचनाएँ, द्विवेदी युग:विशेषताएँ, प्रमुख रचनाकार और रचनाएँ।

इकाई-3 छायावाद युग की प्रवृत्तियाँ, प्रमुख साहित्यकार और रचनाएँ, प्रगतिवाद और नई कविता की विशेषताएँ।

इकाई-4 हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएँ - नाटक, उपन्यास, निबन्ध, कहानी का विकास।

इकाई-5 हिन्दी आलोचना, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा और रिपोर्ताज का विकास।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ:

1. आधुनिक हिन्दी का आदिकाल -श्री नारायण चतुर्वेदी
2. हिन्दी का गद्य-साहित्य- डॉ० रामचन्द्र तिवारी
3. छायावाद - डॉ० नामवर सिंह
4. हिन्दी साहित्येतिहास की भूमिका भाग-3 - प्रो० सूर्यप्रसाद दीक्षित

Credit- 2

(HINCC-105) मीराबाई

निर्धारित पाठ्यक्रम :

मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी

इकाई-1 व्याख्या : प्रथम तीस पद

इकाई -2 व्याख्या : शेष तीस पद

इकाई-3 मीरा की काव्यवस्तु पर आधारित दीर्घ प्रश्न

इकाई-4 मीरा की काव्यभाषा एवं काव्यशिल्प पर आधारित दीर्घ प्रश्न

इकाई-5 मीरा के प्रमुख आलोचक और आलोचना- शिव कुमार मिश्र, विश्वनाथ त्रिपाठी, मैनेजर पाण्डेय, रोहिणी अग्रवाल आदि पर आधारित प्रश्न।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ:

1. मीरा का काव्य -विश्वनाथ त्रिपाठी
2. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास -डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. भक्तिकाव्य और लोकजीवन -शिवकुमार मिश्र

Credit- 2

(HINVCINTRA-101) मध्यकालीन हिन्दी का नीति काव्य

निर्धारित पाठ्यक्रम:

(क) गोस्वामी तुलसीदास - 30 दोहे

दोहावली- गीता प्रेस, गोरखपुर

दोहा संख्या- 52, 54,103, 185, 271, 318, 332, 333, 337, 338, 341, 344, 347, 352, 357, 364, 369, 372, 376, 378, 386, 388, 400, 401, 404, 414, 421, 429, 437, 444

(ख) रहीम - 30 दोहे

रहीम ग्रन्थावली - सम्पादक-विद्यानिवास मिश्र, गोविन्द रजनीश, वाणी प्रकाश, दिल्ली।

दोहा संख्या 5, 20, 25, 33, 35,43, 46, 47, 59, 67, 77, 81, 82, 93, 109, 110,126,158, 170, 178,180, 206, 211, 212, 214, 215, 235, 240, 244, 249

(ग) वृन्द - 30 दोहे

हिन्दी काव्य गंगा, सम्पादक सुधाकर पाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

दोहा संख्या1, 2, 3, 5, 6,7, 8, 9, 10, 12, 13, 15, 16, 17, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 28, 29, 31, 32, 35, 36, 38, 39

(घ) गिरिधर कविराय - 10 छन्द

हिन्दी काव्य गंगा, सम्पादक-सुधाकर पाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

छन्द संख्या 1, 5, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14

इकाई-एक तुलसीदास और रहीम के निर्धारित काव्यांशों से व्याख्याएँ

इकाई-दो वृन्द और गिरिधर कविराय के निर्धारित काव्यांशों से व्याख्याएँ

इकाई-तीन तुलसीदास पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई-चार रहीम पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई-पांच वृन्द और गिरिधर कविराय पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. तुलसी काव्य मीमांसा-डॉ० उदयभानु सिंह
3. मध्ययुगीन काव्य साधना-डॉ० रामचन्द्र तिवारी
4. रहीम साहित्य की भूमिका – डॉ. बमबम सिंह ‘नीलकमल’
5. हिन्दी साहित्येतिहास की भूमिका-भाग-2 - प्रो० सूर्य प्रसाद दीक्षित

Credit- 4

एम. ए. (हिन्दी) द्वितीय सेमेस्टर

(HINCC-201) प्रथम प्रश्न पत्र : भारतीय काव्यशास्त्र

इकाई-1 काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्य की आत्मा |

इकाई-2 रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, सहदय की अवधारणा, अलंकार संप्रदाय कापरिचय और अलंकारों का वर्गीकरण।

इकाई-3 रीति-सिद्धान्त - रीति-परिचय, काव्य-गुण, रीति-वर्गीकरण। वक्रोक्ति सिद्धान्त कापरिचय,वर्गीकरण, वक्रोक्ति तथा अभिव्यंजनावाद |

इकाई-4 ध्वनि सिद्धान्त- ध्वनि का स्वरूप , ध्वनि का वर्गीकरण, ध्वनि-काव्य का महत्त्व,शब्दशक्तियाँ (अभिधा, लक्षणा, व्यंजना) औचित्य सिद्धान्त- परिचय भेद तथा महत्त्व |

इकाई–5 हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास, रीतिकालीन प्रमुख आचार्य (केशवदास, भिखारीदास),
हिन्दी के प्रमुख आलोचक:(रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे वाजपेयी, हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. राम विलास शर्मा)।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ:

1. काव्य शास्त्र- भगीरथ मिश्र
2. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका-डॉ0 नगेन्द्र
3. भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास-विश्वम्भरनाथ उपाध्याय
4. भारतीय काव्यशास्त्र : नव मूल्यांकन- डॉ0० राममूर्ति त्रिपाठी
5. हिन्दी आलोचना की परम्परा और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल- शिवकुमार मिश्र
6. हिन्दी आलोचना-विश्वनाथ त्रिपाठी
7. हिन्दी आलोचना का दूसरा पाठ- निर्मला जैन
8. आलोचना की सामाजिकता-मैनेजर पाण्डेय

Credit- 4

(HINCC-202) द्वितीय प्रश्न पत्र : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

इकाई-1 प्लेटो के काव्य सिद्धान्त, अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त, विरेचन सिद्धान्त, लोन्जाइनस कीउदात्त अवधारणा |

इकाई-2 वर्ड्सवर्थ की काव्यभाषा - सिद्धान्त,कॉलरिज का कल्पना सिद्धान्त, मैथ्यू आर्नाल्ड केकाव्य सिद्धान्त |

इकाई-3 टी. एस. इलियट का निर्वैक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण | आई. ए. रिचर्ड्स कामूल्य सिद्धान्त एवं सम्प्रेषण सिद्धान्त।

इकाई-4 शास्त्रीयतावाद, स्वच्छन्दतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्शेषणवाद |

इकाई–5 अस्तित्ववाद, नई समीक्षा, संरचनावाद, विखंडनवाद ,आधुनिकता, उत्तर-आधुनिकता |

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र-तारकनाथ बाली
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र-देवेन्द्रनाथ शर्मा
3. हिन्दी समीक्षा के स्वरूप और सन्दर्भ- रामदरश मिश्र
4. नयी समीक्षा के प्रतिमान-निर्मला जैन
5. नयी समीक्षा के प्रतिमान पाश्चात्य साहित्य चिन्तन- निर्मला जैन

Credit- 4

(HINCC-203) तृतीय प्रश्न पत्र: नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ

इकाई–1 ‘चिन्तामणि’ भाग-1 (उत्साह, श्रद्धा और भक्ति, करुणा) तथा ‘अशोक के फूल’(अशोक के फूल, भारतीय संस्कृति की देन) के निर्धारित निबन्धों से व्याख्याएँ।

इकाई-2 ‘चन्द्रगुप्त’ तथा ‘पथ के साथी’ से व्याख्यएँ।

इकाई-3 ‘चिन्तामणि’ भाग-1 तथा ‘अशोक के फूल’ पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न ।

इकाई-4 ‘चन्द्रगुप्त’ तथा ‘पथ के साथी’ पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 5 ‘आवारा मसीहा’- विष्णु प्रभाकर तथा ‘एक कहानी यह भी’- मन्नू भंडारी पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ:

1. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास- दशरथ ओझा
2. हिन्दी नाटक: रंग और दिशाएं- गिरीश रस्तोगी
3. प्रसाद के नाटकों में संवादीय संरचना-सिद्धनाथ कुमार
4. नाटक का रंग विधान- विश्वनाथ त्रिपाठी
5. नाट्यालोचना के सिद्धान्त-सिद्धनाथ कुमार

Credit- 4

(HINCC-204) चतुर्थ प्रश्न पत्र : हिन्दी कथा साहित्य

निर्धारित पाठ्यक्रम:

1. गोदान (उपन्यास) - प्रेमचन्द्र
2. मैला आँचल (उपन्यास) फणीश्वरनाथ रेणु
3. बाणभट्ट की आत्मकथा (उपन्यास) - हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. कहानियाँ-

   i. उसने कहा था - चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी

   ii. ईदगाह - प्रेमचन्द

   iii. पुरस्कार - जयशंकर प्रसाद

   iv. परदा यशपाल

   v. लाल पान की बेगम - फणीश्वरनाथ रेणु

   vi. दोपहर की भोजन - अमरकान्त

   vii. खोई हुई दिशाएँ – कमलेश्वर

   viii. परिन्दे - निर्मल वर्मा

   ix. त्रिशंकु - मन्नू भण्डारी

   x. वापसी उषा प्रियम्वदा

इकाई-1 'गोदान'तथा 'मैला आँचल'उपन्यास से व्याख्याएँ।

इकाई-2 'बाणभट्ट की आत्मकथा'उपन्यास से व्याख्याएँ।

इकाई-3 'गोदान', 'मैला आँचल' तथा 'बाणभट्ट की आत्मकथा उपन्यास पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई-4 हिंदी कहानियों पर आधारित व्याख्या।

इकाई-5 कहानी पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ:

1. हिन्दी उपन्यास का विकास-गोपाल राय
2. प्रेमचन्द और उनका युग - डॉ० रामविलास शर्मा
3. स्वातन्त्र्योत्तर कथा साहित्य - विश्वम्भनाथ उपध्याय
4. आधुनिक उपन्यास विविध आयाम - विवेकीराय
5. हिन्दी कहानी का विकास –मधुरेश
6. हिन्दी कहानी संग्रह - सम्पादक भीष्म साहनी

Credit- 2

(HINCC-205) लखनऊ के हिन्दी साहित्यकार

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. उपन्यास

- श्रीलाल शुक्ल - राग दरबारी

2. कहानियाँ :

- भगवतीचरण वर्मा - प्रायश्चित
- शिवमूर्ति - कसाई बाड़ा
- अखिलेश - जलडमरूमध्य

3. कवि

1. कुँवर नारायण - लखनऊ, आजकल कबीरदास, प्यार की भाषाएँ।
2. नरेश सक्सेना - गिरना, सुनो चारूशीला, एक वृक्ष भी बचा रहे, काँक्रीट, पार, ईश्वर की औकात।

4. नाटक

1. सुशील कुमार सिंह - सिंहासन खाली है।

इकाई-1 खण्ड - 1, 2 से व्याख्याएँ।

इकाई-2 खण्ड – 3, 4 से व्याख्याएँ।

इकाई-3 निर्धारित उपन्यास पर आधारित दीर्घ प्रश्न।

इकाई-4 निर्धारित कहानियों पर आधारित दीर्घ प्रश्न।

इकाई-5 निर्धारित कवि एवं नाटककार पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ:

1. हिन्दी कहानी एक अन्तर्यात्रा-वेद प्रकाश अमिताभ
2. भारतीय स्वतन्त्रता और हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष – डॉ० रामदरश मिश्र
3. नई कहानी: सन्दर्भ और प्रकृति - देवीशंकर अवस्थी
4. आधुनिक हिन्दी कविता सर्जनात्मक सन्दर्भ - डॉ० रामदरश मिश्र
5. कवि कह गया है- अशोक बाजपेयी
6. समकालीन हिन्दी नाटककार - गिरीश रस्तोगी
7. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच - नेमिचन्द्र जैन
8. हिन्दी नाटक सिद्धान्त और विवेचन - गिरीश रस्तोगी

Credit- 2

(HININTER-201) प्रयोजनमूलक हिन्दी

इकाई-1 प्रयोजनमूलक हिन्दी की अवधारणा एवं विभिन्न रूप – राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा, सर्जनात्मक भाषा, मातृभाषा, संक्षेपण, पल्लवन।

इकाई-2 पारिभाषिक शब्दावली- अवधारणा,महत्व, निर्माण प्रक्रिया, तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज, हिन्दी शब्द संपदा।

इकाई-3 प्रिंट मीडिया एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रयुक्त भाषा की विशेषताएँ तथा साम्य-वैषम्य ।

इकाई-4 हिन्दी कम्प्यूटिंग- कम्प्यूटर का इतिहास-विकास, महत्व, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, हिन्दी के साफ्टवेयर पैकेज।

इकाई-5 हिंदी व्याकरण का परिचय- संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, शुद्ध अशुद्ध वर्तनी एवं वाक्य।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ:

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ० रघुनन्दन प्रसाद शर्मा
2. हिन्दी विविध व्यवहारों की भाषा- सुवास कुमार
3. प्रयोजनी हिन्दी- प्रो० सूर्य प्रसाद दीक्षित
4. अनुवाद के सिद्धान्त और प्रयोग- डॉ० भोलानाथ तिवारी
5. अनुवाद की व्यवहारिक समस्याएं - डॉ० भोलानाथ तिवारी
6. मीडिया लेखन कला- प्रो० रमेशचन्द्र त्रिपाठी, प्रो० पवन अग्रवाल

Credit- 4

एम. ए. (हिन्दी) तृतीय सेमेस्टर

(HINCC-301) प्रथम प्रश्न पत्र : आधुनिक काव्य (छायावाद तक)

निर्धारित पाठ्यक्रम:

1. मैथिलीशरण गुप्त साकेत (नवम सर्ग)
2. जयशंकर प्रसाद कामायनी (श्रद्धा सर्ग और लज्जा सर्ग),
3. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' राम की शक्ति पूजा, सरोज-स्मृति,
4. सुमित्रानंदन पंत रश्मिबन्ध (परिवर्तन, नौकाविहार, मौन निमंत्रण),
5. महादेवी वर्मा दीपशिखा (दीप मेरे जल अकंपित, पंथ होने दो अपरिचित)
6. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' विप्लव गायन, हम अनिकेतन।

इकाई-1मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद और सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' के निर्धारित काव्याशों से व्याख्याएँ।
इकाई-2 सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा और बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' के निर्धारित काव्याशों से व्याख्याएँ।
इकाई-3 मैथिलीशरण गुप्त और जयशंकर प्रसाद पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न।
इकाई-4 सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' और सुमित्रानंदन पंत पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न।
इकाई-5 महादेवी वर्मा और बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ:

1. छायावाद की प्रासंगिकता -रमेशचन्द्र शाह
2. हिन्दी स्वछन्दतावादी काव्य-डॉ० प्रेमशंकर
3. कल्पना और छायावाद -केदारनाथ सिंह
4. आधुनिक कविता यात्रा-रामस्वरूप चतुर्वेदी

Credit- 4

(HINCC-302) द्वितीय प्रश्न पत्र : हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान

इकाई-1 भाषा की परिभाषा, स्वरुप एवं विशेषताएं। हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास। भाषाविज्ञान के प्रमुख अंग। भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियाँ- वर्णात्मक भाषाविज्ञान, ऐतिहासिक भाषा विज्ञान, तुलनात्मक भाषाविज्ञान, संरचनात्मक भाषाविज्ञान ।

इकाई-2 ध्वनि विज्ञान का स्वरुप और परिभाषा, वाग्वयव और उनके कार्य, ध्वनि का वर्गीकरण, मान स्वर। अर्थ विज्ञान का स्वरुप, अर्थ की अवधारणा, शब्द और पद, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थपरिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।

इकाई-3 रूप विज्ञान का स्वरूप, वाक्य की परिभाषा, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ अवयव, वाक्य संरचना।

इकाई-4 हिन्दी भाषा विकास और हिन्दी की उपभाषाएँ- खड़ी बोली, ब्रजभाषा, अवधी, भोजपुरी की विशेषताएँ।

इकाई-5 देवनागरी लिपि:उद्भव-विकास एवं वैज्ञानिकता। हिन्दी का मानकीकरण।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ:

1. भाषा विज्ञान -डॉ० भोलानाथ तिवारी
2. आधुनिक भाषा विज्ञान-डॉ० राजमणि शर्मा
3. मानक हिन्दी का स्वरूप -डॉ० भोलानाथ तिवारी
4. हिन्दी वर्तनी की समस्याएं -डॉ० भोलानाथ तिवारी
5. हिन्दी भाषा उद्भव विकास और रूप- डॉ० हरदेव बाहरी

Credit- 4

HINCCEL-301(A) हिन्दी पत्रकारिता

इकाई-एक पत्रकारिता का आशय, परिभाषा,उद्देश्य, स्वरूप,प्रकार-खोजी पत्रकारिता ,ग्रामीण पत्रकारिता, विज्ञान पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, कृषि पत्रकारिता ,पीत पत्रकारिता, वेब पत्रकारिता ,साइबर पत्रकारिता आदि। साहित्यिक पत्रकारिता का स्वरूप आशय एवं सामान्य पत्रकारिता से साम्य-वैसम्य ।

इकाई-दो स्वतंत्रतापूर्व हिंदी पत्रकारिता का विकासात्मक परिचय-प्रारम्भिक युग (1826-1867), भारतेन्दु काल (1867-1900), तिलक युग (1900-1920), गाँधी युग(1920-1947)

इकाई-तीन स्वातंत्रयोत्तर हिंदी पत्रकारिता काव्य का विकासात्मक परिचय-नव निर्माण युग (1948-1974) बहु-उद्देशीय युग (1975-1997) समकालीन युग (1997 से अब तक)

इकाई-चार समाचार की अवधारणा, स्वरूप ,प्रकार, स्रोत एवं तत्व। समाचार संपादन का स्वरूप, संपादन कक्ष, संपादन कला, संपादक के दायित्व, संपादकीय लेखन, संपादकीय पृष्ठ, विभिन्न माध्यमों हेतु प्रयुक्त हिंदी भाषा का स्वरूप-समाचार पत्रों में प्रयुक्त हिंदी भाषा, आकाशवाणी हेतु प्रयुक्त हिंदी भाषा की प्रकृति. दूरदर्शन हेतु प्रयुक्त हिंदी भाषा की प्रकृति।

इकाई-पांच मुक्त प्रेस की अवधारणा, वाक् स्वातंत्र्य और प्रेस संबंधी अधिनियम, आचार संहिता मानहानि न्यायालय और मानना स्वत्त्वाधिकार पंजीयन, प्रेस आयोग, प्रेस परिषद और प्रसार भारती।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ :

1. हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहास -डॉ० अर्जुन तिवारी
2. स्वतन्त्रता आन्दोलन और हिन्दी पत्रकारिता-डॉ० अर्जुन तिवारी
3. पत्रकारिता के विविध रूप -डॉ० रामचन्द्र तिवारी
4. पत्रकारिता के सिद्धान्त -डॉ० रमेशचन्द्र त्रिपाठी
5. समाचार संरचना और प्रकृति-डॉ० पवन अग्रवाल

Credit- 4

HINCCEL-301(B) स्त्री विमर्श और हिन्दी साहित्य

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. स्वरूप, सिद्धान्त और दर्शन-

- स्त्री विमर्श और नारीवाद स्वरूप और परिभाषा
- स्त्री मुक्ति आन्दोलन और स्त्री विमर्श ऐतिहासिक रूपरेखा
- भारतीय सामाजिक संरचना और स्त्री-प्रश्न
- वर्तमान परिप्रेक्ष्य में स्त्री सशक्तीकरण दशा और दिशा

2.कविता-

(क) सुधा अरोड़ा

- क्या इसीलिए होती हैं माएं धरती से बड़ी
- धूप तो कब की जा चुकी है
- हर स्त्री एक जलता हुआ सवाल होती है
- माँ तुम उदास मत होना
- इंतजार

(ख) सुशीला टाकभौरे

- स्त्री
- युगचेतना
- तुमने उसे कब पहचाना
- जानकी जान गयी है
- विद्रोहिणी

(ग) आदिवासी कवयित्रियाँ

- **निर्मला पुतुल-** इतनी दूर मत ब्याहना बाबा, चुर्का सोरेन

3. उपन्यास-

- शेष यात्रा-उषा प्रियंवदा
- इदन्नमम-मैत्रेयी पुष्पा

4. कहानी साहित्य-

- समझौता – शिवरानी देवी
- उन्मादिनी – सुभद्रा कुमारी चौहान
- ऐ लड़की – कृष्णा सोबती
- त्रिशंकु -मन्नू भण्डार
- बोलने वाली औरत – ममता कालिया
- आओ माँ ! परी हो जाएं – रोहिणी अग्रवाल

5. निबंध साहित्य –

- सीमंतनी उपदेश – एक अज्ञात हिन्दू औरत (पतिव्रता धर्म, कुछ कथा का हाल लिखा जाता है)
- श्रृंखला की कड़ियाँ- महादेवी वर्मा (नारीत्व का अभिशाप, आधुनिक नारी, जीने की कला)

इकाई-1 निर्धारित कविताओं से व्याख्याएँ।

इकाई-2 निर्धारित कथा-साहित्य एवं निबंधों से व्याख्याएँ।

इकाई-3 निर्धारित पाठ्यक्रम के खण्ड-1 पर आधारित दीर्घ प्रश्न।

इकाई-4 निर्धारित निबंधों पर आधारित दीर्घ प्रश्न।

इकाई-5 निर्धारित कथा साहित्य पर आधारित दीर्घ प्रश्न।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ :

1. स्त्री उपेक्षिता - अनु० प्रभा खेतान
2. उपनिवेश में स्त्री - प्रभा खेतान
3. आदमी की निगाह में औरत -डॉ० राजेन्द्र यादव
4. अतीत होती सदी और स्त्री का अधिकार - राजेन्द्र यादव, अर्चना वर्मा
5. भविष्य का स्त्री विमर्श - ममता कालिया
6. मेरो दर्द न जाने कोय- प्रो० रीता चौधरी
7. स्त्री विमर्श : भारतीय परिप्रेक्ष्य - डॉ० के० एम० मालती
8. साहित्य की जमीन और स्त्री मन के उच्छवास -रोहिणी अग्रवाल
9. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास – सुमन राजे
10. कहानी का स्त्री समय- रोहिणी अग्रवाल
11. स्त्री अस्मिता और उषा प्रियंवदा के उपन्यास- डॉ० रीता
12. हिंदी नवजागरण और स्त्री अस्मिता- सुनंदा पाराशर

Credit- 4

HINCCEL-301(C) अनुवाद विज्ञान

इकाई-एक अनुवाद परिभाषा, स्वरुप एवं महत्व, अनुवाद की विशेषताएं, अनुवाद लिप्यान्तरण और रूपांतरणसाम्य-वैषम्य, अनुवाद कला या विज्ञान

इकाई-दो अनुवाद के प्रकार – शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, सारानुवाद, आशु-अनुवाद, मशीन अनुवाद

इकाई-तीन अनुवाद प्राविधि – स्रोतभाषा एवं लक्ष्य भाषा, हिंदी अंग्रेजी वाक्य संरचना, अनुवाद सिद्धांत

इकाई-चार अनुवाद एवं दुभाषिया प्राविधि में अंतर, अनुवाद के गुण, अनुवाद के उपकरण-कोष, थिसारस, पारिभाषिक शब्दावली और सॉफ्टवेयर

इकाई-पांच अनुवाद के क्षेत्र- प्रशासनिक अनुवाद, साहित्यिक अनुवाद, अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएँ एवं समाधान

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ:

1. अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग - जी. गोपीनाथन
2. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा- सुरेश कुमार
3. अनुवाद कला- डॉ. एन. ई. विश्वनाथ अय्यर
4. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग- डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया
5. अनुवाद बोध - डॉ. गार्गी गुप्त
6. अनुवाद प्रक्रिया - डॉ. रीता

Credit- 4

(HINEL-302) द्वितीय प्रश्न पत्र: विशिष्ट अध्ययन

- **निम्नलिखित में किसी एक का चयन करना होगा।**

A. लोकसाहित्य (निर्धारित पाठ्यक्रम - संलग्न)

B. हिंदी रंगमंच और सिनेमा (निर्धारित पाठ्यक्रम - संलग्न)

C. दलित विमर्श और हिंदी साहित्य) (निर्धारित पाठ्यक्रम - संलग्न)

D. तुलनात्मक भारतीय साहित्य (हिन्दी-तमिल) (निर्धारित पाठ्यक्रम - संलग्न)

(A) लोकसाहित्य

इकाई-एक लोक, लोकवार्ता और लोक साहित्य : परिभाषा, प्रकृति. क्षेत्र, महत्त्व एवं अन्तःसम्बन्ध, लोकसंस्कृति, लोकमानस, लोकसंगीत, लोकविश्वास, लौकिक रीतिरिवाज एवं परम्पराएँ, लोकसाहित्य का अन्य विषयों से सम्बन्ध।

इकाई-दो लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, हिन्दी साहित्य और भाषा के विकास में लोकसाहित्य का योगदान, लोकसाहित्य के अध्येताओं का प्रदेय पं० रामनरेश त्रिपाठी, डॉ० सत्येन्द्र, डॉ० श्याम परमार, डॉ० कृष्णदेव उपाध्याय तथा देवेन्द्र सत्यार्थी, लोक साहित्य के संकलन में आने वाली कठिनाइयों एवं निवारण के उपाय।

इकाई-तीन लोकगाथा - परिभाषा, वर्गीकरण, उत्पत्ति, सिद्धांत तथा विशेषताएँ, प्रमुख लोकगाथाओं का परिचय- ढोला मारू, गोपीचन्द्र, भरथरी, नल-दमयन्ती लैला-मजनूं, हीर राँझा, मरसी-पुन्नू, सोहनी महिवाल, लोरिक चन्दा, आल्हा तथा हरदौल, लोकगीत- परिभाषा, वर्गीकरण तथा विशेषताएँ, श्रम-लोकगीत, संस्कार-लोकगीत, ऋतु-लोकगीत, जाति तथा देवी-देवताओं से सम्बन्धित लोकगीत।

इकाई-चार लोककथा - परिभाषा, वर्गीकरण तथा विशेषताएँ, प्रकार, लोककथाओं का विकास एवं आधुनिक कहानी से साम्य-वैषम्य, कथानक रूढियां, प्रमुख लोकनाट्यों का परिचय - परिभाषा, वर्गीकरण, उत्पत्ति, परम्परा तथा विशेषताएँ, नौटंकी, विदेसिया, रामलीला, रासलीला, भवाई, भांड, तमाशा, जात्रा तथा कथकली । प्रकीर्ण साहित्य (परिभाषा, वर्गीकरण और विशेषताएँ), कहावत, लोकोक्ति, मुहावरा और बुझौवल।

इकाई-पाँच अवधी लोकसाहित्य : अवधी लोकसाहित्य का कलात्मक एवं वैचारिक वैशिष्ट्य। लोकगीत संस्कार- लोकगीत, श्रम- लोकगीत, ऋतु-लोकगीत तथा देवी-देवताओं से सम्बन्धित लोकगीत।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ:

1. लोक साहित्य की भूमिका -डॉ० कृष्णदेव उपाध्याय
2. लोक साहित्य -डॉ० श्याम परमार
3. लोक साहित्य विज्ञान-डॉ० सत्येन्द्र

Credit- 4

(B) हिंदी रंगमंच और सिनेमा

इकाई-एक नाटक एवं रंगमंच का अन्तःसम्बन्ध, नाटक की भाषा और संवाद, रंगमंच के प्रकार(भारतीय), भारतीय रूपक के भेद

इकाई-दो अभिनय की परिभाषा, भरत निर्दिष्ट अभिनय के प्रकार, पाश्चात्य रंग चिन्तक, स्तानिस्लावस्की एवं ब्रेख्त के अभिनय सिद्धान्त।

इकाई-तीन स्कंदगुप्त (जयशंकर प्रसाद), आषाढ़ का एक दिन (मोहन राकेश) से आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई-चार हिंदी सिनेमा का उद्भव और विकास, हिंदी सिनेमा का समाज पर प्रभाव, सिनेमा में नारी, राष्ट्रीय बोध और हिंदी सिनेमा, हिंदी साहित्य और सिनेमा का अंतर्संबंध, सिनेमा के माध्यम से हिंदी का प्रचार प्रसार।

इकाई-पांच हिंदी की फिल्मांकित कृतियों का विश्लेषण, धारावाहिक और सिनेमा के सन्दर्भ में (गोदान, तीसरी कसम, कब तक पुकारूं, पचपन खम्भे लाल दीवार)।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ :

1. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास -दशरथ ओझा
2. हिन्दी नाटक रंग और दिशाएं -गिरीश रस्तोगी
3. प्रसाद के नाटकों में संवादीय संरचना-सिद्धनाथ कुमार
4. नाटक का रंग विधान -विश्वनाथ त्रिपाठी
5. नाट्यालोचना के सिद्धान्त-सिद्धनाथ कुमार
6. देह भाषा -प्रो० अलका पाण्डेय
7. भारतीय चलचित्र का इतिहास – फिरोज रंगूनवाला
8. सिनमा और साहित्य- हरीश कुमार
9. साहित्य और सिनेमा का अंतर्संबंध – नीरा जलक्षत्रिय
10. सिनेमा और संस्कृति – राही मासूम रजा

Credit- 4

(C) दलित विमर्श और हिंदी साहित्य

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रन्थ :

आत्मकथा :

- जूठन -ओमप्रकाश वाल्मीकि (केवल व्याख्या हेतु)
- दोहरा अभिशाप- कौशल्या वैसंत्रे
- मुर्दहिया -डॉ० तुलसीराम (केवल समीक्षात्मक प्रश्न)

उपन्यास :

- दाई – टेकचंद

कहानियाँ :

- छतरी – ओमप्रकाश वाल्मीकि
- अपना गाँव – मोहनदास नैमिशराय
- फुलवा – रत्नकुमार सांवरिया
- चारपाई – रजनी दिसौदिया
- सत्यापन – कैलाश वानखेड़े
- उपमहाद्वीप – अजय नावरिया
- ठहरी हुई नदी – हेमलता महीश्वर
- संजीव का ढाबा – कैलाश चंद चौहान
- हड्डल – हीरालाल राजस्थानी
- जहरीली जड़ें – रूपनारायण सोनकर

कविताएँ :

- मलखान सिंह-सुनो ब्राह्मण, आखिरी जंग
- ओमप्रकाश वाल्मीकि-ठाकुर का कुआँ, वह दिन कब आयेगा, कभी सोचा था
- कँवल भारती-तब तुम्हारी निष्ठा क्या होती?, शम्बूक
- एन. सिंह – सतह से उठते हुए, एकलव्य
- असंगघोष- तुम छोड़ सकोगे,धूर्तता का पहाड़
- रजनी अनुरागी – बुद्ध अगर तुम औरत होते, गुरु दक्षिणा
- जगदीश पंकज – टूटती हैं लाठियां, अन्धकार के न्यायलय में
- मोहनमुक्त – मेरे पुरखे, हिमालय दलित है
- किरण काशीनाथ- सवाल, इंसान
- सुशीला टकभोरे – बोधिसत्व चिंतित हैं, मेरा अस्तित्व

इकाई एक : व्याख्या-सम्पूर्ण कविताएँ तथा आत्मकथा (जूठन)

इकाई दो : व्याख्या-सम्पूर्ण कहानियाँ तथा उपन्यास (दाई)

इकाई तीन, चार व पाँच: आलोचनात्मक प्रश्न

अध्ययन बिन्दु :

समकालीन विमर्श और दलित विमर्श अभिप्राय, अवधारणा, इतिहास-विचारात्मक पृष्ठभूमि, दलित विमर्श विविध संदर्भ एवं भूमिका, दलित विमर्श के प्रेरणास्रोत, दलित विचार, अन्य सामाजिक, संस्कृति, संस्कृति आन्दोलन-बौद्ध साहित्य एवं संत साहित्य, दलित चेतना, अस्मिता का प्रश्न और गैरदलित साहित्य, दलित साहित्य की प्रामाणिकता। स्वानुभूति सहानुभूति का प्रश्न, दलित साहित्य के सामाजिक-सांस्कृतिक सरोकार प्रमुख प्रवृत्तियों, दलित साहित्य के सौन्दर्य तत्त्व दृष्टिकोण, वस्तु एवं प्रतिमान, अभिव्यक्ति, भाषा, आलोचना। हिन्दी दलित कविता : अस्तित्व एवं अस्मिता का प्रश्न, हिन्दी दलित कथा साहित्य-संदर्भ और कथावस्तु की नवीनता, संवेदना और शिल्प का वैशिष्ट्य, दलित आत्मकथा-सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक जीवन के दस्तावेज।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ :

1. दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र -डॉ० ओमप्रकाश वाल्मीकि
2. दलित साहित्य के प्रतिमान -डॉ० एन० सिंह
3. डॉ० अम्बेडकर वैचारिकी और दलित विमर्श -प्रो० कालीचरण 'स्नेहीं'
4. दलित दुनिया -प्रो० कालीचरण 'स्नेही'
5. हिन्दी दलित कविता नये सन्दर्भ -डॉ० टी० पी० राही
6. आज के आइने में राष्ट्रवाद -संपा० डॉ० रविकान्त

Credit- 4

(D) तुलनात्मक भारतीय साहित्य (हिन्दी-तमिल)

इकाई-एक तुलनात्मक अध्ययन स्वरूप और महत्त्व, तुलनात्मक अध्ययन की प्रविधि एवं प्रक्रिया, तुलनात्मक अध्ययन की समस्याएँ और समाधान, तुलनात्मक अध्ययन में अनुवाद की भूमिका।

इकाई-दो द्रविड़ भाषा परिवार, हिन्दी-तमिल का भौगोलिक क्षेत्र, हिन्दी-तमिल साहित्य का काल-विभाजन, हिन्दी साहित्य के आदिकाल तथा तमिल साहित्य के आरम्भिक युग का प्रवृत्तिगत वैशिष्ट्य।

इकाई-तीन मीरा और आण्डाल (भक्तिभावना, विरह वेदना), तिरुवल्लुवर, कबीर और पेरियारवाल में साम्य-वैषम्य, कुलशेखर आलवार और रसखान की भक्तिभावना, पृथ्वीराज रासो और कलिंगपुपरिण, शिलप्पदिकारम्, रामचरितमानस और कम्बरामायण, हिन्दी-तमिल साहित्य का स्वर्णयुग, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा।

इकाई-चार हिन्दी-तमिल नई कविता: स्वरूप और विशेषताएँ, हिन्दी-तमिल कविता में राष्ट्रीय भावना, हिन्दी तमिल कविता में प्रगतिवादी स्वर मैथिलीशरण गुप्त और सुब्रह्मण्यम भारती (नारी भावना, राष्ट्रीय चेतना), समकालीन हिन्दी-तमिल कविता की प्रवृत्तियाँ।

इकाई-पाँच हिन्दी-तमिल कहानी का प्रवृत्तिगत परिचय, वृन्दावनलाल वर्मा और कल्कि का उपन्यासकार व्यक्तित्व, कहानीकार प्रेमचंद और पुदुमैपितन, हिन्दी-तमिल पत्र-पत्रिकाएँ, हिन्दी-तमिल आलोचना साहित्य, हिन्दी-तमिल लोकनाटक, हिन्दी-तमिल बाल साहित्य।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ:

1. भारतीय वांड्मय -डॉ० नागेन्द्र
2. समेकित भारतीय साहित्य-डॉ० नगेन्द्र
3. तुलनात्मक साहित्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य -डॉ० इन्द्रनाथ चौधरी
4. हिन्दी और भारतीय भाषा साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन-डॉ० रामछबीला त्रिपाठी
5. हिस्ट्री ऑफ़ तमिल लिटरेचर - प्रो०सी० बालसुब्रमण्यम
6. तमिल साहित्य का इतिहास – मु०वरदराजन

Credit- 2

(HINEL-303)

(A) हिंदी का ज्ञान-विज्ञानपरक साहित्य

इकाई-1 हिंदी ज्ञान परंपरा के आदि स्रोतों का संक्षिप्त परिचय: वैदिक साहित्य, आगम साहित्य परिचय, बुद्ध का करुणावाद, महावीर-अहिंसा दर्शन, प्रमुख औपनिषदिक कथाएं - आरुणि - उद्दालक, प्रवाहण - जैवालि, नल-दमयंती

इकाई-2 हिंदी ज्ञान परंपरा के प्रमुख संवाहक: शंकराचार्य, विवेकानंद, महात्मा गांधी, डॉ० भीमराव अम्बेडकर, महर्षि अरविंद, दयानंद सरस्वती, राधाकृष्णन, हनुमान प्रसाद पोद्दार

इकाई-3 हिंदी में सृजित ज्ञानपरक साहित्य के विविध आयाम: भक्तमाल – नाभादास, गीता का निष्काम कर्म योग (संदर्भ ग्रंथ: बाल गंगाधर तिलक का गीता रहस्य)

इकाई-4 हिंदी के प्रमुख ज्ञानात्मक साहित्य का परिचय: सम्पत्तिशास्त्र – महावीर प्रसाद द्विवेदी, मध्यकालीन धर्म साधना - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, संस्कृति के चार अध्याय - रामधारी सिंह दिनकर, भारत की मौलिक एकता - वासुदेव शरण अग्रवाल

इकाई-5 हिंदी विज्ञान लेखन का विकास एवं चुनौतियां ; हिंदी विज्ञान लेखन के प्रमुख स्तंभ - जयंत विष्णु नार्लीकर, गुणाकर मुले, शिवगोपाल मिश्र, डॉ0 सूरजभान सिंह, डॉ0 सूर्यकांत ; हिंदी की प्रमुख विज्ञान पत्रिकाओं का परिचय: विज्ञान गीता सिंधु, अविष्कार, ज्ञान-विज्ञान, इक्षु

सहायक ग्रन्थ :

1. हमारी परंपरा - वियोगी हरि
2. संस्कृति के चार अध्याय - रामधारी सिंह दिनकर
3.मध्यकालीन धर्म साधना - हजारी प्रसाद द्विवेदी
4.भक्तमाल - नाभादास
5.गीता रहस्य- बाल गंगाधर तिलक
6.भारत की मौलिक एकता - वासुदेव शरण अग्रवाल
7.भारतीय दर्शन-राधाकृष्णन
8.वेदांत अंक - कल्याण (हनुमान प्रसाद पोद्दार)

Credit- 2

(B) प्रवासी हिंदी साहित्य

इकाई-एक प्रवासी की अवधारणा, प्रवासी साहित्य का स्वरुप, प्रवासी साहित्य का विकासात्मक परिचय, हिंदी के प्रमुख प्रवासी साहित्यकारों का परिचय- उषा प्रियवंदा, देवी नागरानी, अभिमन्यु अनत, उषाराजे सक्सेना, हरिशंकर आदेश, वेद प्रकाश शर्मा 'बटुक', सुषुम बेदी, स्नेहा ठाकुर, लक्ष्मीमल सिंघवी,पुष्पिता अवस्थी।

इकाई-दो - प्रवासी कविताएँ

1. कमला प्रसाद मिश्र – पितृभूमि ! प्रणाम, प्रस्थान के समय, मथुरा
2. ब्रिजेन्द्र कुमार भगत 'मधुकर' – छोटा हिन्दुस्तान, प्रवासी की राम कहानी, है गान यही मजदूरों का
3. सुरेश ऋतुपर्ण – मेरा अतीत ही भविष्य मेरा

इकाई-तीन प्रवासी कहानियां –

1. तेजेंद्र शर्मा – पासपोर्ट के रंग
2. सुधा ओम ढींगरा – बेघर सच
3. पूर्णिया वर्मन – नमस्ते कोर्निस

इकाई-चार उपन्यास –

1. अभिमन्यु अनत - लाल पसीना

इकाई-पांच प्रवासी हिंदी की पत्रिकाएं – विश्वा, पुरवाई, स्पाइल दर्पण, बसंत, भारत दर्शन(प्रथम वेब पत्रिका)

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ:

1. हिंदी का प्रवासी साहित्य – डॉ. कमल किशोर गोयनका
2. प्रवासी हिंदी साहित्य दशा एवं दिशा – प्रदीप श्रीधर
3. हिंदी का प्रवासी साहित्य – कालीचरण सनेही
4. प्रवासी भारतीय हिंदी साहित्य – विमलेश कांति वर्मा
5. प्रवासी साहित्य : जोहन्सबर्ग के आगे – सम्पादक - डॉ. कमल किशोर गोयनका
6. प्रवासी भारतीयों में हिंदी की कहानी – संपादक – डॉ. सुरेन्द्र गंभीर
7. प्रवासी विशेषांक (गगनांचल, साहित्य अमृत), प्रवासी जगत

Credit- 2

(C) आदिवासी विमर्श और हिंदी साहित्य

1. **वैचारिकी** – आदिवासी, वनवासी, मूलनिवासी संज्ञाओं का स्वरुप, आदिवासी समाज की अवधारणा, इतिहास और संरचना (भौगौलिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक संरचना), जीवन दर्शन, आदिवासी अस्मिता का उदय, विकास, स्वानुभूति-सहानुभूति का प्रश्न।
   आदिवासी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास-विकास (भारतीय एवं हिंदी)।
2. **कविता** –
   - महादेव टोप्पो – रचने होंगे ग्रन्थ, रूपांतरण, मैं खुश था
   - अनुज लुगुन – बाघ, आदिवासी, उलगुलान की औरतें
   - जसिंता केरकेट्टा – नदी, पहाड़ और बाजार, प्रार्थना का समय
3. कहानी –
   - रोज केरकेट्टा – पगहा जोरी-जोरी रे घाटो
   - पीटर पॉल एक्का – राजकुमारों के देश में
   - एलिस एक्का – धरती लहराएगी
4. उपन्यास – हरिराम मीणा – धूणी तपे तीर

इकाई-1 निर्धारित कविताओं से व्याख्याएँ।
इकाई-2 निर्धारित कथा साहित्य से व्याख्याएँ।
इकाई-3 निर्धारित वैचारिकी से आलोचनात्मक प्रश्न।
इकाई-4 निर्धारित कविताओं पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।
इकाई-5 निर्धारित कथा साहित्य पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ:

1. आदिवासी अस्मिता का संकट – रमणिका गुप्ता
2. आदिवासी साहित्य यात्रा– रमणिका गुप्ता
3. आदिवासी कौम– रमणिका गुप्ता
4. आदिवासी स्वर और नयी शताब्दी– रमणिका गुप्ता
5. झारखण्ड के आदिवासिओं के बीच – वीरभारत तलवार
6. आदिवासी साहित्य:परम्परा और प्रयोजन – वंदना टेटे
7. आदिवासी दर्शन और साहित्य – वंदना टेटे
8. आदिवासी अस्मिता वाया कथा साहित्य – रसाल सिंह

Credit- 2

HINIER-301 इंटर्नशिप (तमिल भाषा प्रशिक्षण/फील्डवर्क/टर्म पेपर)

Credit- 4

एम. ए. (हिन्दी) चतुर्थ सेमेस्टर
(HINCC-401) हिन्दी आलोचना साहित्य

इकाई- एक हिन्दी आलोचना का स्वरूप, हिन्दी आलोचना का इतिहास-शुक्ल पूर्व हिन्दी आलोचना, शुक्लयुगीन हिन्दी आलोचना, शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना, स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी आलोचना।

इकाई- दो हिन्दी आलोचना की विविध प्रणालियाँ काव्यशास्त्रीय, स्वच्छंदतावादी, मार्क्सवादी, मनोविश्लेषणवादी, व्यक्तिवादी, सौन्दर्यवादी, प्रभाववादी, समाजशास्त्री, संरचनावादी, शैली वैज्ञानिक, नई समीक्षा, तुलनात्मक।

इकाई- तीन हिन्दी आलोचना आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, आचार्य नंददुलारे बाजपेयी। समीक्ष्य कृति त्रिवेणी (आचार्य शुक्ल), कबीर (आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी)।

इकाई- चार हिन्दी आलोचक डॉ० नगेन्द्र, डॉ० रामाविलास शर्मा, डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी। समीक्ष्य कृति-'भाषा और समाज' (डॉ० रामविलास शर्मा), 'रस सिद्धान्त' (डॉ० नगेन्द्र)।

इकाई- पाँच हिन्दी आलोचक डॉ० नामवर सिंह, निर्मला जैन, डॉ० वीर भारत तलवार। समीक्ष्य ग्रन्थ दूसरी परंपरा की खोज (नामवर सिंह), कथा-समय में तीन हमसफर (निर्मला जैन), रस्साकशी (वीर भारत तलवार)।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ:

1. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द-डॉ० बच्चन सिंह
2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना -डॉ० रामविलास शर्मा
3. हिन्दी आलोचना की परम्परा और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल -शिवकुमार मिश्र
4. हिन्दी आलोचना-विश्वनाथ त्रिपाठी
5. हिन्दी आलोचना का दूसरा पाठ -निर्मला जैन
6. आलोचना की सामाजिकता-मैनेजर पाण्डेय

Credit- 4

(HINEL-401) विशिष्ट कवि / रचनाकार

(A) कबीरदास

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रन्थ-

कबीर- हजारी प्रसाद द्विवेदी (पद संख्या 160 से 230)

इकाई एक तथा दो: व्याख्या - कबीर- हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई तीन, चार तथा पाँच: आलोचनात्मक प्रश्न

अध्ययन बिन्दु: कबीरदास और उनका युग, कबीर की रचनाएँ, कबीरदास का व्यक्तित्व, कबीरदास का समाज दर्शन, कबीरदास के दार्शनिक विचार, कबीरदास का रहस्यवाद, कबीरदास की लोकप्रियता, कबीरदास की प्रासंगिकता, कबीरदास की काव्यगत विशेषताएँ, कबीर की भाषा, कबीरदास के काव्यरूप, साखी, सबद, रमैनी,उलटबांसी, कबीरदास के प्रतीक, कबीरदास के राम, हठयोग, कुण्डलिनी जागरण, सद्गुरु की विशेषता, अजपाजप, सहस्रार, अनहदनाद सुरति-निरति, उन्मनी अवस्था, षट्चक्र, कबीर की भक्ति।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ:

1. कबीर-हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. कबीर मीमांसा-रामचन्द्र तिवारी
3. कबीर एक नई दृष्टि-डॉ० रघुवंश

Credit- 4

(B) मलिक मुहम्मद जायसी

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रन्थ-

इकाई एक तथा दो:व्याख्या- पदमावत(सिंहलद्वीप वर्णन खण्ड, मानसरोदक खण्ड, नखशिख खण्ड, सिंहलद्वीप खण्ड, पदमावती वियोग खण्ड, षटऋतु वर्णन खण्ड, नागमती वियोग खण्ड, पदमावती-गोरा-बादल-संवाद खण्ड, गोरा-बादल-युद्ध खण्ड, पदमावती-नागमती-सती खण्ड इकाई तीन, चार तथा पाँच: आलोचनात्मक प्रश्न

अध्ययन बिन्दु:हिन्दी सूफी, काव्यपरम्परा और जायसी, जायसी का जीवनवृत्त और कृतित्व, जायसी की गुरु परम्परा, 'सूफी' शब्द की व्युत्पत्तिपरक अवधारणा, मसनवी पद्धति, जायसी का रहस्यवाद, जायसी की दार्शनिक मान्यताएँ, जायसी, जायसी की काव्यकला, जायसी का विरह-वर्णन, जायसी का प्रेम-निरुपण, जायसी का प्रकृति-चित्रण, पद्मावत का काव्यरूप, पद्मावत की भाषा, पद्मावती अन्योक्ति अथवा समासोक्ति, पद्मावत में इतिहास और अध्यात्म, पद्मावत में भारतीय एवं मसनवी प्रेम-पद्धति, पद्मावती और नागमती का चरित्र-चित्रण, जायसी ग्रन्थावली में संकलित 'पदमावत' में खण्ड - विभाजन, बारहमासा का वैशिष्ट्य, नखशिख तथा शिखनख वर्णन, पद्मावत में निहित महत्त्वपूर्ण उक्तियों एवं सूक्तियाँ।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ:

1. जायसी-विजयदेवनारायण साही
2. जायसी-डॉ०रामपूजन तिवारी
3. जायसी का काव्यशिल्प -डॉ० दर्शनलाल सेठी
4. जायसी के परवर्ती हिन्दी सूफीकवि और काव्य-डॉ० सरला शुक्ल

Credit- 4

(C) सूरदास

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रन्थ- 'सूरसागर सार सटीक', संपादक-डॉ० धीरेन्द्र वर्मा (चयनित 100 पद)
विनय तथा भक्ति (कुल 10 पद) 1,2,4,10,11,18,22,25,44,54
गोकुल लीला (कुल 15पद) 2,6,7,14,16,17,18,19,21,26,33,35,43,45,60
वृन्दावन लीला (कुल 15पद) 10,11,14,38,42,50,51,60,67,72,86,122,135,145,156
राधा कृष्ण (कुल 15पद) 1,2,23,24,30,42,51,57,64,72,110,127,147,158,159
मथुरा गमन (कुल 15पद) 7,8,12,43,58,62,68,75,84,93,96,97,99,101,104
उद्धव सन्देश (कुल 20पद) 9,27,41,48,50,69,73,76,80,82,96,97,101,114,120,127,132,134,145,187
द्वारिका चरित (कुल 10 पद) 5,12,23,32,35,39,46,47,49,50

इकाई एक तथा दो व्याख्या
इकाई तीन तथा चार व पाँच- आलोचनात्मक प्रश्न

अध्ययन बिन्दु :

सूरदास और उनका युग, सूर की भक्ति भावना, सूर का दार्शनिक चिन्तन, सूर का प्रामाणिक जीवनवृत्त, सूर की प्रामाणिक कृतियाँ, सूरसागर, स्कंधात्मक अथवा संग्रहात्मक-कौन अधिक प्रामाणिक, सूर का प्रकृति वैभव/सूर का वात्सल्य, सूर का श्रंगार वर्णन, सूर काव्य में वर्णित ब्रज संस्कृति, गोचारण संस्कृति/कृषक संस्कृति, भ्रमरगीत परम्परा में सूर का भ्रमरगीत, गोपियों का प्रेम वर्णन, सहृदयता और वाग्वैदग्ध्य, सूरसागर पर भागवत का प्रभाव, सूरसागर की भाषिक संवेदना, सूरसागर का भाषा-शिल्पगत सौन्दर्य, सूर की सौन्दर्य चेतना, भ्रमरगीत में निर्गुण-सगुण, सूर के दृष्टकूट पद, सूर साहित्य : रीति साहित्य की प्रयोगशाला, सूर साहित्य में गीतात्मकता, सूरसारावली की प्रामाणिकता, कृष्ण का ऐश्वर्य एवं रस रूप, अष्टसखा, वार्ता साहित्य, रास, राधा, मुरली, दधि लीला और दान लीला का प्रतीकार्थ, सूरसागर में प्रगतिशील तत्त्व।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ :

1. सूर-साहित्य – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. सूरदास और उनका साहित्य -हरवंशलाल शर्मा
3. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य - मैनेजर पाण्डेय
4. त्रिवेणी – आचार्य रामचंद्र शुक्ल

Credit- 4

(D) तुलसीदास

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रन्थ :

इकाई एक तथा दो : व्याख्या- रामचरितमानस (बालकाण्ड-प्रारंभ से 30 दोहे), कवितावली (उत्तरकाण्ड-पद संख्या 30 से 50), विनयपत्रिका (पद संख्या 70 से 90) (सभी गीताप्रेस, गोरखपुर संस्करण)।

इकाई तीन, चार तथा पाँच: आलोचनात्मक प्रश्न।

अध्ययन बिन्दु :

तुलसीदास और उनका युग, तुलसीदास का जीवन-वृत्त (अंतःसाक्ष्य और बाह्य साक्ष्य के आधार पर) तुलसी की प्रामाणिक कृतियों, विनयपत्रिका में विनय भावना/शीर्षक की सार्थकता, कृष्णगीतावली का वर्ण्य विषय/उपालम्भ, गीतावली में गीतितत्त्व, वात्सल्य वर्णन, कवितावली में भाव-वैभव और शिल्प-सौष्ठव, बरवै रामायण का शिल्प विधान और प्रस्तुतिकौशल, मानस का अंगी रस, तुलसी काव्य में नीति तत्त्व, तुलसी की भायप भक्ति, मानस के चार मनोहर घाट, तुलसी के काव्य में रामराज्य की अवधारणा, तुलसी का कलिकाल, निरुपण, ज्ञान-भक्तिनिरूपण, तुलसी काव्य की शैलियाँ, तुलसी कासंत-असंत निरूपण, तुलसी का दास्य भाव, मानस का काव्य रूप, तुलसीदास की भक्तिभावना, तुलसीदास के दार्शनिक विचार, तुलसीदास कासमन्वयवाद, तुलसी की नारी विषयक अवधारणा, तुलसी काव्य में लोकतत्त्व एवं लोकमंगल, तुलसी काव्य का शिल्प विधान, तुलसीदास की लोकप्रियता का आधार और साहित्यिक वैशिष्ट्य, तुलसीदास का लोकनायकत्व।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ :

1. त्रिवेणी- रामचन्द्र शुक्ल
2. तुलसी काव्य मीमांसा- उदयभानु सिंह
3. लोकवादी तुलसीदास- विश्वनाथ त्रिपाठी

Credit- 4

(E) मैथिलीशरण गुप्त

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रन्थ:

इकाई एक तथा दो : व्याख्या साकेत तथा भारत-भारती

इकाई तीन, चार तथा पाँच : आलोचनात्मक प्रश्न

अध्ययन बिन्दु :

द्विवेदी युग और मैथिलीशरण गुप्त, मैथिलीशरण गुप्त का जीवन परिचय, साहित्यिक यात्रा, काव्य वैशिष्ट्य, राष्ट्रीय भावना (भारत-भारती के विशेष संदर्भ में) नारी भावना (यशोधरा, द्वापर, विष्णुप्रिया के विशेष संदर्भ में), नवीन प्रयोग, वैष्णव भावना, पारिवारिक दृष्टि, सामाजिक विधान, साकेत का नामकरण, उद्देश्य, नायकत्व, मौलिक उदभावनाएँ, महाकाव्यत्व, विरह वर्णन, नवम सर्ग का काव्य वैशिष्ट्य, 'भारत-भारती'का प्रतिपाद्य एवं काव्य वैशिष्ट्य,'यशोधरा' का प्रतिपाद्य,काव्य वैशिष्ट्य, चरित्र चित्रण, शिल्पगत प्रयोग,'विष्णुप्रिया' का काव्य वैशिष्ट्य एवं चरित्र-चित्रण, 'द्वापर' का काव्य वैशिष्ट्य, 'द्वापर' में शिल्प प्रयोग, विधृता, बलराम, नारद, कुब्जा प्रसंग की मूल भावना एवं चारित्रिक विधान।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ:

1. मैथिलीशरण गुप्त-रेवतीरमण
2. साकेत एक पुनर्मूल्यांकन-डॉ० नगेन्द्र
3. महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग -डॉ० रामविलास शर्मा

Credit- 4

(F) जयशंकर प्रसाद

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रन्थ:

इकाई एक तथा दो: व्याख्या कामायनी (चिन्ता, आशा, श्रद्धा, इड़ा, रहस्य और आनन्द सर्ग),स्कन्दगुप्त।

इकाई तीन, चार तथा पाँच: आलोचनात्मक प्रश्न

अध्ययन बिन्दु :

छायावाद और प्रसाद, प्रसाद का जीवनवृत्त और कृतित्व, 'कामायनी' की ऐतिहासिकता, दार्शनिक पृष्ठभूमि, रूपक तत्व, रहस्यवाद, आधुनिक संदर्भ में कामायनी का वस्तु-विधान, काव्यरूप। 'आंसू व्यष्टि एवं समष्टि, काव्यगत सौन्दर्य, आलम्बन और विरह वेदना। 'लहर' की लम्बी कविताओं- 'अशोक की चिन्ता', 'शेरसिंह का आत्मसमर्पण', 'पेशोला की प्रतिध्वनि' और 'प्रलय की छाया में निहित भावगत-शिल्पगत वैविध्य एवं प्रतिपाद्य, प्रसाद का प्रेम और सौन्दर्य। प्रसाद की नाट्यकला, 'स्कन्दगुप्त' नाटक-अंतर्वस्तु, चरित्रांकन, उद्देश्य एवं मंचीयता। 'काव्य और कला तथा अन्य निबन्ध' प्रसाद की निबन्ध कला का वैशिष्ट्य।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ:

1. प्रसाद-प्रेमशंकर
2. प्रसाद और कामायनी-डॉ० नगेन्द्र
3. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन –रामस्वरूप चतुर्वेदी

Credit- 4

(G) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रन्थ:

इकाई एक तथा दो :व्याख्या-तुलसीदास, (मौन, अधिवास, निवेदन, प्रार्थना, प्रभाती, तुम और मैं, बादलराग-1 से 6. जागो फिर एकबार-1 और 2), कुल्लीभाट (संस्मरणात्मक उपन्यास)

इकाई तीन, चार तथा पाँच: आलोचनात्मक प्रश्न

अध्ययन बिन्दु :

निराला का जीवन अवरेख, छायावाद और निराला, निराला की काव्य कृतियाँ, निराला की गद्य कृतियाँ, निराला का मुक्त छन्द, निराला की लम्बी कविताएँ, 'जागो फिर एक बार' में जागरण, उपन्यासकार निराला, कुल्लीभाट की समीक्षा, निराला वैविध्य के कवि, निराला की दार्शनिक विचारधारा, निराला की प्रगतिवादी चेतना, राष्ट्रीय चेतना के कवि निराला, निराला के काव्य में गीतितत्व, निराला के काव्य का भाषिक वैशिष्ट्य।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ:

1. निराला की साहित्य साधना भागा-1,2- डॉ० रामविलास शर्मा
2. निराला कृति से साक्षात्कार -नन्द किशोर नवल
3. क्रान्तिकारी निराला -बच्चन सिंह
4. आत्महंता आस्था निराला – दूधनाथ सिंह
5. महाप्राण निराला – गंगाप्रसाद पाण्डेय

Credit- 4

(H) प्रेमचन्द

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रन्थ:

इकाई एक तथा दो : व्याख्या-निर्मला, सेवासदन

इकाई तीन, चार तथा पाँच : आलोचनात्मक प्रश्न

अध्ययन बिन्दु:

प्रेमचंद और उनका युग, कथासम्राट प्रेमचंद का अवदान, गबन के पात्र, सेवासदन के पात्र, प्रेमाश्रय का केन्द्रीय विषय, निर्मला की चारित्रिक विशेषताएँ, जालपा की चारित्रिक विशेषताएँ, सुमन की चारित्रिक विशेषताएँ, संपादक रूप में प्रेमचंद, प्रेमचंद्र की कहानियों की विशेषताएँ, प्रेमचन्द युगीन कथाकार, प्रेमचंद के प्रमुख आलोचक, प्रेमचंद की भाषा, प्रेमचंद के साहित्य में ग्राम्य एवं कृषक जीवन, प्रेमचंद के साहित्य में स्त्री विमर्श, समाज-मनोविज्ञान, प्रेमचन्द के उपन्यासों का कथातात्विक विवेचन, प्रेमचंद के साहित्य में भारतीय समाज, प्रेमचन्द और गांधी, प्रेमचंद के उपन्यासों की प्रगतिशील चेतना, प्रेमचंद के साहित्य में आम आदमी, प्रेमचंद की साहित्यिक मान्यताएँ, प्रेमचंद की भाषा और उनकी भाषायी दृष्टि।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ:

1. प्रेमचन्द और उनका युग-डॉ० रामविलास शर्मा
2. प्रेमचन्द के उपन्यास और शिल्प-कमलकिशोर गोयनका
3. प्रेमचन्द विरासत का सवाल -शिवकुमार मिश्र
4. प्रेमचन्द की विरासत -राजेन्द्र यादव
5. प्रेमचन्द के साहित्य सिद्धान्त -नरेन्द्र कोहली

Credit- 4

(I) रामचन्द्र शुक्ल

पाठ्य एवं समीक्ष्य ग्रन्थ:

इकाई एक तथा दो : व्याख्या-चिन्तामणि भाग-1

इकाई तीन, चार तथा पाँच : आलोचनात्मक प्रश्न

अध्ययन बिन्दु:

आधुनिक हिन्दी निबन्ध और रामचंद्र शुक्ल, आलोचक रामचंद्र शुक्ल, इतिहासकार रामचंद्र शुक्ल, शुक्लयुगीन निबंधकार, शुक्लयुगीन आलोचक, संपादक के रूप में आचार्य रामचंद्र शुक्ल, 'करुणा' का केन्द्रीय विषय, 'श्रद्धा-भक्ति' का प्रतिपाद्य, शुक्ल जी की दृष्टि में कविता, हृदय की मुक्तावस्था, सहृदय की अवधारणा, साधारणीकरण, आचार्य रामचंद्र शुक्ल का साहित्यिक परिचय, हिन्दी आलोचना के विकास में रामचंद्र शुक्ल का योगदान, आलोचना विषयक शुक्ल जी की मान्यता, आचार्य रामचंद्र शुक्ल की व्यावहारिक आलोचना, आचार्य रामचंद्र शुक्ल की निबंध दृष्टि (विषयगत और विषयीगत). परवर्ती हिन्दी आलोचना पर रामचंद्र शुक्ल का प्रभाव, आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना के समीक्षक।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ:

1. रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना -डॉ० रामविलास शर्मा
2. बौद्धिक उपनिवेशवाद की चुनौती और रामचन्द्र शुक्ल -शम्भुनाथ
3. आलोचना का पक्ष -रमेशचन्द्र शाह

Credit- 4

(HINEL- 402) द्वितीय प्रश्न पत्र

(A) छायावादोत्तर काव्य

निर्धारित पाठ्यक्रम:

1. रामधारी सिंह 'दिनकर'-कुरुक्षेत्र (षष्ठ सर्ग)
2. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'-असाध्य वीणा,
3. गजानन माधव 'मुक्तिबोध'-अंधेरे में
4. वैद्यनाथ मिश्र 'नागार्जुन'- बादल को घिरते देखा, सिंदूर तिलकित भाल
5. केदारनाथ अग्रवाल-
    1. फूल नहीं रंग बोलते हैं
    2. चन्द्र गहना से लौटती बेर
    3. जो शिलाएँ तोड़ते हैं
    4. जो जीवन की धूल चाट कर बड़ा हुआ है
    5. बसंती हवा
    6. जब जब देखा लोहा देखा
6. सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' – मोचीराम, रोटी और संसद, लोहे का स्वाद

इकाई-1 रामधारी सिंह 'दिनकर', सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' और गजानन माधव 'मुक्तिबोध' के निर्धारित काव्यांशों से व्याख्याएँ।

इकाई-2 वैद्यनाथ मिश्र 'नागार्जुन', केदारनाथ अग्रवाल और सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' के निर्धारित काव्यांशोंसे व्याख्याएँ।

इकाई-3 रामधारी सिंह 'दिनकर', सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई-4 गजानन माधव 'मुक्तिबोध' और वैद्यनाथ मिश्र 'नागार्जुन' पर आधारित

इकाई-5 केदारनाथ अग्रवाल और सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न।

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ:

1. आलोचना का पक्ष -रमेशचन्द्र शाह
2. आधुनिक हिन्दी कविता में बिम्ब विधान-केदानाथ सिंह
3. हिन्दी कविता का अतीत और वर्तमान-मैनेजर पाण्डेय
4. नई कविता की चेतना-डॉ० जगदीश कुमार

Credit- 4

(HINEL-402)

(A) इक्कीसवीं सदी का हिंदी साहित्य

1 वैचारिकी:

इक्कीसवीं सदी की परिस्थितियां- सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक ; विमर्श मूलक साहित्य:- पर्यावरण और पारिस्थितिकी, अस्मिता मूलक साहित्य की धारा, स्थानिकता-वैश्विकता

2 कविता :

केदारनाथ सिंह - 1. पानी की प्रार्थना 2. बुद्ध से
राजेश जोशी - 1. बच्चे काम पर जा रहे हैं 2. इत्यादि
मंगलेश डबराल - 1. ताकत की दुनिया 2. राक्षसों क्या तुम
वंदना टेटे- 1. तुम कौन हो? 2. वह उठेगी

3 उपन्यास :

संजीव - फांस

4 कहानी :

उदय प्रकाश - मोहन दास
रणेंद्र - छप्पन छुरी बहत्तर पेंच
मधु कांकरिया - और अंत में ईशु
उषा किरण खान - घर से घर तक

5 यात्रा वृतांत: नर्मदा की परिक्रमा - अमृतलाल बेगड़
संस्मरणात्मक जीवनी: व्योमकेश दरवेश - विश्वनाथ त्रिपाठी

इकाई 1: व्याख्या-खण्ड 2
इकाई 2: व्याख्या-खण्ड 3 एवं 4
इकाई 3: खण्ड 1 से आलोचनात्मक प्रश्न
इकाई 4: खण्ड 2 एवं 3 पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न
इकाई 5: खण्ड 4 एवं 5 पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न

सहायक ग्रंथ:

1. भारत में संस्कृति परिवर्तन: पहचान और वैश्वीकरण - योगेंद्र सिंह
2. हिंदी की आधुनिकता: एक पुनर्विचार - अभय दुबे
3. आज का हिंदी साहित्य : संवेदना एवं दृष्टि - डॉ० रामदरश मिश्र
4. इक्कीसवीं सदी का दूसरा दशक और हिंदी आलोचना – सूरज पालीवाल

Credit- 4

(HINEL-402)

(C) अनूदित भारतीय हिंदी साहित्य

1. भारतीय साहित्य स्वरूप एवं अवधारणाएँ
    - भारतीय साहित्य का स्वरूप
    - भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
    - भारतीय साहित्यमें आज के भारत का बिंब
    - हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति
2. कविता
    - सुनील गंगोपाध्याय (बांग्ला)- थोड़ी सी प्यार की बातें
    - कण्णदासन (तमिल)- कवि अनुभूति
    - जी० शंकर कुरुप (मलयालम)-बाँसुरी
    - नारायण सुर्वे (मराठी) मुश्किल होता जा रहा है।
    - श्री श्री (तेलुगु)- मैं ने भी
3. उपन्यास:
    - प्रतिभा राय (उड़िया) द्रौपदी
4. कहानी
    - अमृता प्रीतम (पंजाबी) हीरे की कनी
    - इन्दिरा गोस्वामी (असमिया)- एक अविस्मरणीय यात्रा
    - कृष्ण चंदर (उर्दू)- अन्नदाता
5. नाटक
    - गिरीश कर्नाड (कन्नड़)-हयवदन

इकाई 1 व्याख्या-खण्ड 2 एवं 3

इकाई 2 व्याख्या-खण्ड 4 एवं 5

इकाई 3 खण्ड 1 से आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 4 खण्ड 2 एवं 3 पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 5 खण्ड 4 एवं 5 पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न

सहयोगी अध्ययन ग्रन्थ:

1. समेकित भारतीय साहित्य-डॉ० नगेन्द्र
2. तुलनात्मक साहित्य-डॉ० नगेन्द्र
3. तुलनात्मक साहित्य भारतीय परिप्रेक्ष्य -डॉ० इन्द्रनाथ चौधरी
4. हिन्दी और भारतीय भाषा साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन-डॉ० रामछबीला त्रिपाठी

Credit- 8

(HINMT-401) लघुशोध प्रबन्ध (न्यूनतम 100 पृष्ठ) और उस पर आधारित मौखिकी